National Science Day Celebration 2019

Organised by

Dept. of Chemistry

Govt. Shahid Gendsingh College, Charama.

Distt-U.B. Kanker(CG)

Heartily Invite you to the

National Science Day Celebration - 2019

Invitation

रावितप्रौसंप NCSTC

Mr/Ms ______________________________

Chief Guest - Dr. M.K. Deb

PhD, JSPS Fellow (Professor in Chemistry)

SoS in Chemistry, Pt. Ravishankar Shukla University

Guest of Honour - Dr. D.P. Bisen

M phil, PhD (Professor in Physics)

SoS in Physics, Pt. Ravishankar Shukla University

Special Guest -

Dr. Manish Rai PhD (Associate Professor in Chemistry)

SoS in Chemistry, Pt. Ravishankar Shukla University

Dr. Kamlesh Shrivas PhD, JSPS, ORISE Fellow (Associate Professor in Chemistry)

SoS in Chemistry, Pt. Ravishankar Shukla University

Dr. Manmohan Lal Satnami M Phil, PhD, NET-JRF, TWAS-CNPq (Postdoctoral Fellow, BraZil) (Assistant Professor in Chemistry)

SoS in Chemistry, Pt. Ravishankar Shukla University

Date : Saturday, 16 march, 2019

Time : 09.00 AM Onwards

Venue : Conference Hall,

Govt. Shahid Gendsingh College, Charama

Distt - Uttar Bastar Kanker

Convenor	Organising Secretary	Patron
Mr. Hem Prasad Patel (Asstt. Professor)	Mr. Ravindra Singh Chandrawanshi (Asstt Professor)	Dr. Sarita Uikey (Principal)

CS Scanned with CamScanner

National Science Day Celebration 2019

Organised by

Dept. of Chemistry

Govt. Shahid Gendsingh College,Charama.

Distt-U.B. Kanker(CG)

रविप्रौसंप NCSTC

Certificate Of Participation

This is to certify that Dr./Mr./Ms _____ of _____ has attended & participated in Debate/Essay writing/Quiz Competition in National Science Day Celebration held on 16 March, 2019. Catalysed &Supported by Chhattisgarh Council of Science & Technology,Raipur & National Council for Science & Technology Communication(NCSTC),DST Govt of India, New Delhi.

H.P.Patel
(Asstt. Prof.)
Convenor

R.S. Chandrawanshi
(Asstt. Prof.)
Organising Secretary

Dr. Sarita Uikey
(Patron & Principal)

Scanned with CamScanner

Science Day Celebration - 2019

आज दिनांक 16.03.2019 को शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह - 2019 का आयोजन किया गया। समारोह में निम्न अतिथिगण एवं महाविद्यालय के प्राचार्य, सहा. प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे -

मुख्य अतिथि

(1) डॉ. एम. के. देव
प्रो. एवं विभागाध्यक्ष रसायनशास्त्र अध्ययनशाला
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)
Mob. 9425503750

सम्मानित अतिथि

(2) डॉ. डी.पी. बिसेन
प्रो. भौतिकी अध्ययनशाला
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)
Mob. 9406201131

विशिष्ट अतिथि

(3) डॉ. एम. के. राय
सह प्राध्यापक रसायनशास्त्र अध्ययनशाला
पं. रविशंकर शुक्ल वि. वि. रायपुर (छ.ग.)
Mob. 9425520295

(4) डॉ. कमलेश शुक्ला
सहायक प्राध्यापक जैवप्रौद्योगिकी
पं. रविशंकर शुक्ल वि. वि. रायपुर
Mob. 9406255501

(5) डॉ. कमलेश श्रीवास
सह प्राध्यापक रसायनशास्त्र अध्ययनशाला रायपुर
Mob. 7879581979

(6) डॉ. मनमोहन लाल सतनामी
सह प्राध्यापक रसायन शास्त्र अध्ययनशाला, रायपुर
Mob. 7999589271

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

Govt. Shaheed Gendsingh College Charama, Distt.-U.B.Kanker (C.G.)

प्राचार्य

① डॉ. सरिता उइके

② श्री. एम. एल नेताम सहा. प्राध्यापक

③ डॉ. के. के मरकाम
सहा. प्राध्यापक

④ श्री रविन्द्र सिंह चंद्रवंशी
सहा. प्राध्यापक

⑤ श्री कुबेरश्वर प्रसाद साहू
सहा. प्रा. (भौतिकी)

⑥ डॉ. अभिषेक कुमार मिश्रा
सहा० प्रा० (प्राणी शास्त्र)

⑦ श्री हेम प्रसाद पटेल
Asst. Prof Chemistry

⑧ श्री जीवराखन कुमार जैन
(Lab Technician)

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

Govt. Shaheed Gendsingh College-Charama, Distt.-U.B.Kanker (C.G.)

क्र.	छात्र-छात्राएँ का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	कु. दीपिका सिन्हा	B.Sc. III	Deepika
2	कु. श्रुति वाल्मिकी	B.SC. I	Shruti
3	चंद्रकला कोसरिया	BSc I	chandrakala
4	कु. ममता धनकर	BA-I	mamta
5	राबिया खान	BSc-II	Rabiya
6	उमेश्वरी निषाद	BSc-II	Nishad
7	नीता सिन्हा	BSc II	Neeta
8	ज्योति सोनवानी	BA I	[illegible]
9	डिम्पल यादव	B.A. I	Dimpal
10	कमलेश देवांगन	B.Sc.-II	Ka
11	शिवराज	BSc IInd	[illegible]
12	हरिश कुमार सोनकर	BSC II	Harish
13	चेतन सोनकर	B.S.C II	chetan
14	विकास कुमार रजक	B.S.C II	Rajak
15	आरती मारकंडे	B.S.C II	Aarti
16	महेश्वरी निषाद	B.S.C II	Maheshwari
17	हेमलता मण्डावी	B.S.C II	Hemlata
18	अजय सिन्हा	B.S.C.II	A.Sinha
19	जसवंत कुमार सोनकर	B.S.C. III	Jaswant
20	Yogesh Sahu	B.S.C-III	Yogesh
21	Abhishek Chauhan	B.S.C-III	अभिषेक
22	udit kumar	B.Sc I	Udit
23	Aakash Chhata	B.Sc I	[illegible]
24	Prashant usendi	B.SC I	Usendi
25	Tameshwar Patel	B.S.C-I	[illegible]
26	Rakesh Sinha	BSC III	Rakesh
27	Devendra Sinha	BSC III	[illegible]
28	BARNU RAM MARKAM	BSc. I	BR markam
29	मनीष नेताम	BSc I	मनीष
30	देवेन्द्र कुमार निषाद	B.SC II	[illegible]

Principal
Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker

Shaheed Gendsingh College Charama, Distt.-U.B. Kanker (C.G.)

Date ______
Page ______

(31)	Jaiprakash Netam	B.sc 1st	Jaiprakash
(32)	Leeladhar Nishad	B.Sc 1st	लीलाधर

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

Govt. Shaheed Gendsingh College-Charama, Distt.-U.B.Kanker (C.G.)

National Science Day Celebration - 2019
(Theme : Science for the People & the People for Science)
Date - 16.03.2019
Organised by
Dept. of Chemistry
Govt. Shahid Gendsingh College, Charama
Distt - U.B. Kanker (C.G.)
Catalysed & Supported by
NCSTC

National Science Day Celebration - 2019
(Theme - Science for the People & the People for Science)
Date - 16.03.2019
Organised by
Dept. of Chemistry
Govt. Shahid Gendsingh College, Charama
Distt - U.B. Kanker (C.G.)
Catalysed & Supported by

मतदान सम्पन्न कराया जाएगा। मतदान

मतदान दलों को सीआरसी करने तथा

मशीनों का हैंडसऑन अवश्य करें अर्थात

गैंदसिंह कॉलेज में मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

डॉ.सीवी रमन को किया याद

चारामा। नईदुनिया न्यूज

नगर के शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय में प्रथम बार रसायन शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एमके देव, विभागाध्यक्ष, रासायनशास्त्र अध्ययन शाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर थे।

उन्होंने अपने उद्‌बोधन में डॉ. सीवी रमन की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए रमन प्रभाव के संबंध में विस्तार से बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ. डीपी बिसेन द्वारा विज्ञान के विकास के साथ प्रकाश के माध्यम का उदाहरण लेते हुए बताया कि किस प्रकार दीपक की लौ से लेकर एलईडी, सीएफएल जैसे बल्ब का अविष्कार हुआ। विशिष्ट अतिथि डॉ. कमलेश शुक्ला ने मशरूम कल्चर, मशरूम संवर्द्धन व मशरूम के प्रकार के बारे में अपने शोध का वाचन किया।

विज्ञान दिवस पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते अतिथि।

प्रकाश के लौ से लेकर एलईडी तक के आविष्कार की दी जानकारी

वहीं डॉ. कमलेश श्रीवास ने बताया कि किस प्रकार आधुनिक विश्लेषण विधियों द्वारा पानी में उपस्थित विभिन्न तत्वों का परीक्षण किया जा सकता है। अन्य विशिष्ट अतिथि डॉ. मनमोहन लाल सतनामी द्वारा शिक्षाप्रद कहानी के माध्यम से छात्र/छात्राओं को प्रेरित किया कि वे भी विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देकर नोबेल पुरस्कार प्राप्त कर सकते है। कार्यक्रम में अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सरिता उईके ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव प्रो. रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी, हेम प्रसाद पटेल, प्रो. मनोहर लाल नेताम, प्रो. केके मरकाम, प्रो. कुलेश्वर प्रसाद, प्रो. अभिषेक मिश्र, जीवराखन जैन, हितेंद्र बोरकर, मधु कावड़े आदि उपस्थित थे।

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय

चारामा जिला – कांकेर (छ.ग.)

आमंत्रण

एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

दिनांक : 27.02.2020, गुरूवार

छत्तीसगढ़ में गांधीवादी आंदोलन
एवं उनके विचारो का प्रभाव

प्रति, _____

_____

_____

:: विनीत ::

डॉ. सरिता उइके (प्राचार्य)
शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय, चारामा
जिला - कांकेर (छ.ग.)

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय

चारामा, जिला - कांकेर (छ.ग.)

आमंत्रण

मान्यवर,

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि इस वर्ष शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा, जिला -कांकेर में दिनांक 27.02.2020 को प्रात: 10.30 बजे से इतिहास विभाग द्धारा ''छत्तीसगढ़ में गांधीवादी आंदोलन एवं उनके विचारो का प्रभाव'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्टी का आयोजन किया जा रहा है।

इस संगोष्टी में आप सादर आमंत्रित है।

प्रथम तकनीकी सत्र एवं उद्घाटन

(समय 10.30 बजे से 1.30 बजे तक)

मुख्य अतिथि :- मान. प्रो. रत्नेश्वर मिश्र
वरिष्ठ इतिहासकार, पटना (बिहार)

अध्यक्ष :- मान. आचार्य रमेन्दनाथ मिश्र
अध्यक्ष - छ.ग. इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व रायपुर पं.रवि.वि.वि. रायपुर एवं पूर्व कार्यकारिणी अध्यक्ष छ.ग. साहित्य अकादमी छ.ग.शासन

विशिष्ट अतिथि :- मान. श्री सुरेश ठाकुर
छ.ग.में गांधी युगीन वरिष्ठ शिक्षा विद
रायपुर (छ.ग.)

द्वितीय तकनीकी सत्र एवं समापन

(समय 2.00 बजे से 4.30 बजे तक)

मुख्य अतिथि :- मान. डॉ. सुभास दत् झा
पूर्व प्राचार्य शास.बिलासा स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष :- मान.डॉ.चेतनराम पटेल
प्राचार्य
शास.इन्दरू केवट कन्या महा.कांकेर

विशिष्ट अतिथि :- मान. डॉ. विजय बघेल
अध्यक्ष - अध्ययन मण्डल
(इतिहास विभाग)
बस्तर विश्व विद्यालय, जगदलपुर

:: विनीत ::

डॉ. सरिता उइके (प्राचार्य)
शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय, चारामा
जिला - कांकेर (छ.ग.)

मान्यवर,

अत्यंत हर्ष के साथ सूचित किया जा रहा है कि बस्तर अंचल का प्रवेश द्वार शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय चारामा, जिला - उ.ब.कांकेर में इतिहास विभाग द्वारा दिनांक 27.02.2020 को उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से ''छत्तीसगढ़ में गांधीवादी आन्दोलन एवं उनके विचारो का प्रभाव'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आप सादर आमंत्रित है हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस शोध संगोष्ठी में उपस्थित होकर अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगें ।

महाविधालय का संक्षिप्त इतिहास

कंक ऋषि की तपोभूमि गिरि श्रृंखलाओं से आवेष्टित महानदी एवं नैनी नदी के तट पर स्थित शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा की स्थापना 16 अगस्त सन् 1989 ई. को हुई । स्थापना का उद्देश्य है कि अर्ध शहरी ग्रामीण तथा आदिवासी एवं पिछड़े क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा का लाभ मिल सके, कला संकाय से प्रारंभ महाविद्यालय में वर्तमान में वाणिज्य एवं विज्ञान - विषयों की अध्यापन - व्यवस्था है एवं एम.ए. राजनीति शास्त्र की कक्षायें भी संचालित है।

महाविद्यालय का नाम देश की स्वतंत्रता के लिये मर - मिटने वाले बस्तर के महान सपूत परलकोट के जमींदार जिन्होने अंग्रेजो के दांत खट्टे किये थे - शहीद गेंदसिंह के नाम पर आधारित है।

महाविद्यालय में वर्तमान शिक्षा सत्र में 1081 विद्यार्थी अध्ययनरत है यहां के विद्यार्थियों द्वारा खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, एन.सी.सी. , एन.एस.एस एवं विश्वविद्यालयीन परीक्षा में उत्कृष्ठ स्थान बनाकर महाविद्यालय को गौरवन्वित किया गया है ।

राजधानी रायपुर से दक्षिण दिशा में यह नगर 120 कि.मी. की दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 30 पर स्थित है। चारामा से 17 कि.मी. की दूरी पर 'चन्देली' ग्राम की पहाड़ियों में (10,000) दस हजार वर्ष पूर्व की "Rock Paintings" देखने को प्राप्त हुई है । इस पेटिंग्स में 'एलियन' और यू.एफ.ओ. (उड़न तश्तरी) जैसी आकृति है। छ.ग. पुरातत्व विभाग द्वारा इस पेटिंग्स पर शोध के लिये अमेरिका स्पेश रिसर्च सेन्टर नासा को आमंत्रित किया गया था । वह शोधार्थियों के लिये शोध का विषय एवं पर्यटको के लिये आर्कषण का केन्द्र है इसके अलावा 15 कि.मी. की दूरी पर सियादेही जलप्रपात 45 कि.मी. की दूरी पर गंगरेल डेम एवं दुधावा डेम पर्यटको को अपनी ओर आकर्षित करते है।

छत्तीसगढ़ में गांधीवादी आन्दोलन एवं उनके विचारों का प्रभाव परिचायात्मक

भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन में महात्मा गाँधी का योगदान स्वर्णिम अक्षरों विद्यमान है 1920 ई. से लेकर 1947 ई. तक का समय भारतीय राजनैतिक इतिहास में गांधीवादी युग के नाम से जाना जाता है सत्य और अहिंसा के बल पर देश को आजादी दिलाने की ताकत यदि किसी में थी तो वह ''महात्मा गाँधी'' में थी उनके विचार, उनका सत्याग्रह , उनके आदर्श , उनके दर्शन और उनके तप, इतने मजबूत थे कि अग्रेंज उन्हें छू भी नहीं सकते थे और सारे देश में इसका असर पड़ा चाहे वह नील विद्रोह हो या चम्पारन विद्रोह हो या रवेड़ा सत्याग्रह हो या अहमदाबाद का मिल मजदूर आन्दोलन हो हर जगह आन्दोलन सफल रहा ।

जिस समय सारे देश में सत्याग्रह की लहर - चल रही थी, और महात्मा गांधी जी के जयकारो से देश गूंज रहा था तब छ.ग. भी उससे अछूता नही था ।छ.ग. में भी महात्मा गांधी के असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन एवं भारत छोड़ो आन्दोल का असर देखने को मिला । जिसमें धमतरी , कांकेर, राजनांदगांव रायपुर , बिलासपुर , दुर्ग सभी प्रभावित थे ।

गांधीवादी राष्ट्रीय आन्दोलन से संबंधित ऐसी कई घटनायें है जिनके बारे में हम नही जानते , उन अनछुये पहलुओं को तरासना तथा लोगो में जन जागृति लाना शोध संगोष्ठी का उद्देश्य है ।

शोध संगोष्ठी का उपशीर्षक

1. छ.ग. के विभिन्न क्षेत्रों में गांधीवादी आन्दोलन ।
2. गांधीवादी विभिन्न विचारधाराऐं - राजनैतिक, आर्थिक , धार्मिक, दार्शनिक, चिकित्सा संबंधी ।
3. छ.ग.में शांति एवं अहिंसा ।
4. छ.ग. में रायपुर , दुर्ग , राजनांदगांव, धमतरी, बिलासपुर, कांकेर बस्तर व अन्य क्षेत्रो में गांधीवादी विचारों का प्रभाव ।
5. छ.ग. के गांधीवादी आन्दोलन में विभिन्न क्रांतिकारियों एवं देशभक्तो का योगदान ।
6. छ.ग. के गांधी चिन्तन का नारी समाज पर प्रभाव ।
7. गांधी पूर्व जन आन्दोलन ।

शोध पत्रो का प्रेषण

इतिहास विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में शोध पत्र प्रेषित करने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव :-

1. शोध पत्र सारांश अधिकतम 02 पृष्ठों में तथा पूर्ण शोध पत्र अधिकतम 10 पृष्ठों में हो ।
2. शोध पत्र तथा शोध सारांश (हार्ड कापी)ए-4 आकार के पेपर में होना चाहिए , इसकी साफ्ट कापी महाविद्यालय के ई-मेल आई डी सेमीनार 2019 (charama@gmail.com) पर ई-मेल किया जाना आवश्यक है ।
3. संगोष्ठ हेतु शोध पत्र का माध्यम हिन्दी /अंग्रेजी होगा , हिन्दी के लिये तथा अंग्रेजी के लिए **Kruti Dev 010 (font Size-14)** का तथा अंग्रेजी के लिए Times New Roman (Four Size-12) प्रयोग करेगें ।
4. शोध पत्र सारांश भेजने की अंतिम तिथि 26 फरवरी 2020 है ।

तकनीकी सत्र

तिथि उद्घाटन सत्र	-	10.30 से 11.30 बजे तक
प्रथम तकनीकी सत्र	-	11.30 से 01.30 बजे तक
भोजन अवकाश	-	1.30 से 02.00 बजे तक
द्वितीय तकनीकी सत्र	-	02.00 से 04.30 बजे तक
प्रमाण पत्रों का विवरण	-	04.30 बजे से

नोट :- प्रतिभागी यात्रा व्यय अपनी संस्था से प्राप्त करने का कष्ट करे ।आयोजन संस्था से यात्रा भत्ता प्राप्त नहीं होगा ।

चारामा कॉलेज में सेमिनार 25 को

चारामा (नईदुनिया न्यूज)। नगर के शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 25 फरवरी को छत्तीसगढ़ में गांधीवादी आंदोलन विषय पर किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेश ठाकुर वारिष्ठ शिक्षाविद् पुरानी बस्ती रायपुर व अध्यक्षता आचार्य डॉ. रमेन्द्रनाथ मिश्र अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ पुरातत्व इतिहास साहित्य संस्कृति व पर्यटन अन्वेषक संस्थान, रायपुर होगें। इस राष्ट्रीय सेमिनार में छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में गांधीवादी आंदोलन, विभिन्न विचार धाराएं और प्रभाव, गांधीवादी दर्शन, गांधीवादी आंदोलन की घटनाए व प्रभाव, क्रांतिकारियों और देशभक्तों का योगदान, छग में शांति व आहिंसा, दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर, रायपुर, धमतरी, कांकेर, बस्तर के वनांचल में गांधी का प्रभाव, गांधी पूर्व जनआंदोलन आदि के विषय पर वक्ताओं द्वारा व्याख्यान व शोद्य पत्र प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं इस राष्ट्रीय सेमीनार में छग व अन्य प्रदेशों के शोद्यार्थी, बुद्विजीवी व छात्र-छात्राएं अपनी सहभागिता देंगे।

एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार

छत्तीसगढ़ में गाँधीवादी आंदोलन एवं उनके विचारों का प्रभाव

दिनांक - 27/02/2020

क्रमांक	प्रतिभागी का नाम	शोधार्थी/छात्र	पता	मोबाइल नं.	शोध पत्र का शीर्षक	बैग	हस्ताक्षर
1.	श्री सनत कुमार मिश्रा		गोंदिया, महाराष्ट्र (रिसोर्स पर्सन)	7489441826		✓	[signature]
2.	देवेन्द्र सिन्हा	छात्र M.A I Sem	शा. महा. चारामा	7987819274		—	[signature]
3.	प्रतीक कुमार साहू	~~छात्र~~ B.Ed IV Sem	रावतपुरा सरकार विश्वि. ~~चारामा~~ मोवा रायपुर	9131372016		—	[signature]
4.	हर्षवर्धन साहू	छात्र B.Com-III	शा. महा. चारामा	8878366667		—	[signature]
5.	तजेन्द्र साहू	छात्र B.Com-II	—〃—	8878661172		—	[signature]
6.	श्री सी.आर. पटेल (रिसोर्स पर्सन)	प्राचार्य	शा. क. महा॰ चारामा	9981765005 (Wa)	गाँधीवादी चिंतन	✓	[signature]
7	श्री शरद ठाकुर	इं. दरु केंवट महा॰ प्रा॰ भानुप्र॰ कांकेर			गाँधीवादी चिंतन	✓	(for. Sharad Thakur KNK)
					—do—		
8.	श्री के.के. मरकाम	सा.प्रा.	शा. महा॰ चारामा		गांधी जी का प्रमुख आंदोलन	[signature]	
9.	मनीषा नायक	छात्र B.A-I	शा. महा. चारामा			—	मनीषा
10.	रितेश्वरी कुंजाम	B.A-I	—〃—			—	रीतेश्वरी
11	अनुप्रिया सिन्हा	B.Sc-I	—〃—			—	अनुप्रिया
12	किरण ~~समरके~~ राणा	B.A-I	—〃—			—	किरण
13	पुकेश्वरी	B.A-I	—〃—		—	—	पुकेश्वरी

क्रमांक	प्रतिभागी का नाम						हस्ताक्षर
14	पल्लवी लहरा	B.Sc-I	शा. महा. मगरलोड			—	Pallavi lahara
15	कविता सिन्हा	B.Sc-I	—"—			—	Kavita
16	नीतू उसेण्डी	B.Sc-I	—"—			—	Dusendi
17	डिलेश्वरी कोमर्रा	B.Sc-I	—"—			—	Dileshwari
18	भानुप्रिया साहू	B.Sc-I	—"—			—	Bhanupriya
19	रेणुका निषाद	B.Sc-I	—"—			—	Renuka
20	तामेश्वरी ठाकुर	B.Sc-I	—"—			—	Tameshwari
21	धनेश्वरी धनेलिया	B.Sc-I	—"—			—	Dhaneshwari
22	साधना यादव	B.Sc I	—"—			—	साधना यादव
23	उषा देवांगन	B.Sc. III				—	Dewangan
24	श्री श्यामानंद डेहरिया (रिसोर्स पर्सन)	सहा.प्रा.	शा. महावि. भानुप्रतापपुर	9424275716	गाँधीवादी विचार	✓	[signature]
25	" रमेश दर्रो	सहा.प्रा.	—"—	—"—		✓	[signature]
26	डॉ. नसीम अहमद	स.प्रा.	—"—	—"—		✓	[signature]

क्र.	प्रतिभागी का नाम						
27	योगेन्द्र कुमार	B.A-I	शा. महा. चारामा			—	[illegible]
28.	अरुण कुमार साहू	B.A-I	—〃—			—	[illegible]
29.	प्रदीप कुमार आंधिया	B.A-I	—〃—			—	Pradeep
30.	मुकेश कुमार सिन्हा	B.A-I	—〃—			—	[illegible]
31.	देविका उइके	B.Sc-I	—〃—			—	Devika
32.	पायल सिन्हा	B.A-III	—〃—			—	[illegible]
33.	चंद्र कुमार	B.A-I	—〃—			—	[illegible]
34	चेतन पटेल	B.A-I	—〃—			—	Chetan
35.	उत्तम सिन्हा	B.A-I	—〃—			—	उत्तम सिन्हा
36	टिकेश्वर सिन्हा	B.A-I	—〃—			—	[illegible]
37	योगेश्वर साहू	B.Sc-I	—〃—			—	[illegible]
38	नितीश गोटी	B.Sc-I	—〃—			—	नीतिश कुमार
39	मनीष पाण्डे	B.Sc-I	—〃—			—	मनीष कुमार

40.	भारती सिन्हा	B.Sc-III	ग्रा. मढा - चारामा			—	[illegible]
41	मानवी सिन्हा	B.Sc-I	—〃—			—	Manvi Sinha
42	द्रोपती पटेल	B.A-II	—〃—			—	द्रोपती पटेल
43	योगेन्द्र सेन	M.A. II^nd sem	—〃—			—	[illegible]
44	नीरज मण्डावी	M.A-III^rd sem	—〃—			—	Neeraj
45.	सुदेशना नेताम	B.A-II	—〃—			—	Sudeshana
46.	दामिनी पटेल	B.A-II	—〃—			—	Damini Patel
47	कुसुमलता शोरी	B.A-II	—〃—			—	Kusumlata
48	सरिता मण्डावी	B.A-I	—〃—			—	Sarita
49.	प्रीति कुरेटी	B.A-I	—〃—			—	Preeti Kureti
50	नम्रता मंडावी	B.A-I	—〃—			—	Namrata
51	मधु साहू	B.A-I	—〃—			—	Madhu Sahu
52	टिकेश्वरी साहू	B.A-I	—〃—			—	Tikeshwari
53	सुष्मिता देवांगन	B.A-I	—〃—			—	Sushmita

54	हिना गोटा	M.A. IV sem	शा. महा. च[illegible]			—	Heena
55	रेश्मी मण्डावी	— " —	— " —			—	Reshmi
56	सीमा नेताम	— " —	— " —			—	कु. सीमा
57	कौशिल्या निषाद	B.A-I	— " —			—	[illegible]
58	संगीता	M.Sc				—	[illegible]
59	महेश्वर कोर्राम	B.A-II	— " —			—	महेश्वर
60	ओमप्रकाश	B.A-I	— " —				[illegible]
61	कविता सिन्हा	B.Sc-III	— " —			—	[illegible]
62	गिरीश	B.A-I	— " —			—	[illegible]
63	लीलाधर	B.A-I	— " —			—	लीलाधर
64	जितेन्द्र कुमार	B.A-I	— " —			—	जितेन्द्र कुमार
65	चंद्रभान	B.A-I	— " —			—	[illegible]
66	धनंजय	B.Sc-I	— " —			—	Dhananjay
67	राकेश जांगड़े	B.A-III	— " —			—	[illegible]

68	प्रीति महावीर	B.Sc-III	शा. महा. चारामा			—	प्रीति महावीर
69	हेमेश कुमार	B.A-II	—				Hemesh
70	कैलाश सिन्हा	B.A-II	—			—	Kailash
71	विवेक कुमार	B.Sc-I	—			—	[illegible]
72	संध्या	M.A-II Sem	—			—	[illegible]
73	तामेश्वरी	M.A-II Sem	—			—	[illegible]
74	चिनेश्वरी	M.A-IInd	—			—	[illegible]
75	लक्ष्मी यादव	M.A-IV Sem	—			—	लक्ष्मी
76	नेहा सलाम	—	—			—	नेहा
77	महेश्वरी मंडावी	B.A-III	—			—	महेश्वरी
78	किरण सिन्हा	B.A-III	—			—	[illegible]
79	मोनिका सिन्हा	B.A-III	—			—	[illegible]
80	असन्तीन मरकाम	M.A-IV Sem	—			—	आसन्तीन
81	कालिमा ~~मंडे~~ नेताम	M.A-IV Sem	—			—	[illegible]

82	कु. रितेश निषाद	M.A-IV Sem	शा. महा. चारामा		—	[signature]
83	श्री सन्नूराम दर्रो	आ०जा०	स्व. खुबराम नागे महा० नगरी	गाँधी दर्शन	[signature]	—
84	ऊर्वशी मंडावी	M.A. IV Sem	शा. महा. चारामा	—	—	[signature]
85	वेदमती सिन्हा	—〃—	——〃——	——	—	[signature]
86	रोशनी निषाद	B.A-I	——〃——		—	[signature]
87	रोशनी मंडावी	B.A-I	——〃——		—	[signature]
88	रोशनी सेन	B.A-I	——〃——		—	[signature]
89	जया जाडू	B.A-I	——〃——		—	[signature]
90	रेखा नेताम	B.A-I	——〃——		—	[signature]
91	पूर्णिमा शोरी	B.A-I	——〃——		—	[signature]
92	योगेश्वरी जाडू	M.A-IV Sem	————		—	[signature]
93	मीरा साहू	M.A IV Sem	————		—	[signature]
94	देवेश्वरी कोर्राम	—〃—	————		—	[signature]
95	ज्योति पटेल	M.A-IV Sem	————		—	[signature]
					—	[illegible]

96	अमेश्वरी सेन	M.A - IV Sem	श्याम नगर भाटापारा		—	[signature]
97	हसिना निषाद	— —	—		—	[signature]
98	मनीष	B.A-II	—		—	[signature]
99	छिकेश कुमार मंडावी	B.A-I	—		—	[signature]
100	विकास कुमार नेताम	B.A-III	—		—	[signature]
101	नामेश्वर	B.A-I	—		—	[signature]
102	राहुल	B.A-I	—		—	[signature]
103	नेहा पटेल	M.A IV Sem	—		—	[signature]
104	विरेन्द्र कुमार	— —	—		—	[signature]
105	दीपेश बघेल	B.A-I	—		—	[signature]
106	खुमन कुंजाम	B.A-I	—		—	[signature]
107	पूर्णिमा	M.A. IV Sem	—		—	[signature]
108	युवराज	— —	—		—	[signature]
109	झग्गर सिंह	— —	—		—	[signature]

110	पंकज यदु	B.A-III st	शा. महा. चारामा		—	[signature]
111	धीरज कुमार मंडावी	B.A-II	——"——		—	[signature]
112	दुकेश कुमार	B.A-II	——"——		—	[signature]
113	रेख राम	B.A-II	——"——		—	[signature]
114	हर्षिल कुमार	B.A-II	——"——		—	[signature]
115	छाया यादव	B.A-I	——"——		—	[signature]
116	रंजना यदु	B.A-I	——"——		—	[signature]
117	संजना शोरी	B.A-I	——"——		—	[signature]
118	गीता पोया	B.A-I	——"——		—	[signature]
119	ललेश्वर लाडू	B.A-II	——"——		—	[signature]
120	राघवेन्द्र कुमार पटेल	B.A-III	——"——		—	[signature]
121	कृतिका धड़ूडे	B.Com-I	——"——		—	[signature]
122	संध्या देवांगन	B.Com-I	——		—	[signature]
123	माधुरी देवांगन	B.Com-I	——		—	[signature]

124	भावना बढ़ई	B.Com-I	शा. महा. चारामा			—	[illegible]
125	सुअंजना कुंजाम	"	"			—	[illegible]
126	केदारनाथ सिन्हा	B.A-II	"			—	[illegible]
127	सूरज कोर्राम	"	"			—	[illegible]
128	कमलकांत साहू	B.A-II	"			—	[illegible]
129	सुनील कुमार	"	"			—	[illegible]
130	हरीश नेताम	B.A-I	"			—	[illegible]
131	राकेश कुमार साहू	"	"			—	[illegible]
132	जीवराखन कुमार जैन	प्रयोगशाला तकनीशियन	शा. महा० चारामा	9479200946	—	—	[illegible]
133	श्री कुलेश्वर प्रसाद ~~साहू~~ साहू	सहा. प्राध्या.	"		—	—	
134	" हेमप्रसाद पटेल	"	"			—	
135	" रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी	सहा. प्रा.	"				
136	अनूप कुमार यादव	अतिथि व्याख्याता	"		—	—	[illegible]

137	श्री एम. एल. नेताम	सहा.प्रा.	शा. महा. चारामा			[illegible]
138	" कमलनारायण ठाकुर	स.प्रा.	—"—			
139	" संजय कुमार मिश्रा	—"—	——			
140	श्री. हितेन्द्र कुमार बोरकर	ग्रंथ. तकनी.	—"—			
141	" राजकिशोर साहू	प्रयो. परि.	—"—			
142	" रूपेन्द्र ठाकुर	चा—	—"—			[illegible]
143	लीना सिन्हा	B.Sc-I	शा. महा. चारामा		—	Leena
144	गीतिका साहू	—"—	—"—		—	Gitika
145	दुर्गेशनंदनी महेन्द्र	—"—	—"—		—	Dnandni
146	मोनिष कुमार	B.A-III	—"—		—	[illegible]
147	दानेश्वर	B.A-I	—"—		—	[illegible]
148	डिम्पल	B.A-II	—"—		—	[illegible]
149	वर्षा बैरागी	M.A-I Sem	—"—		—	Varsha Bairagi
150	ज्योति सोनवानी	B.A-II	——		—	[illegible]

151	हेमकुमारी मंडावी	B.A-III	शा. महा. चारामा		—	Hem.
					—	[illegible]
152	हेमेश कुमार	B.A-II	—"—			
153	अशोक कुमार	B.A-II	—"—		—	[illegible]
					—	रमन
154	रमन	B.A-I	—"—			
155	धर्मेन्द्र कुमार सिन्हा	कंम्प्यूटर शा. महा० चारामा मापयेय			—	[illegible]
156	सुधीर कुमार साहू	—"—	—"—		—	[illegible]
					—	[illegible]
157	श्री हरिराम साहू	प्रो. पर	—"—		—	
158.	किरण तारम	B.A-I	—"—			Rani
					—	Payal
159.	पायल सिन्हा	B.A-I	—"—			
160.	खुशबू साहू	B.com-III	—"—		—	Sahu
161	योगिता नेताम	—"—	—"—		—	yogita
162	आकाश वच्छानी	B.Com-II	—"—		—	[illegible]
163	भारती साहू	B.A-III	चारामा		—	Bharti
164	कु० चाँद यादव	M.A final	चारामा		—	Chand [illegible]

165	नीरमेश भोजवानि	B.A. I	चारामा				Nirmesh
166	रोशन साहू	B.A. I	चारामा				Roshan
167	मेवालु नेताम	B.A. I	चारामा				[illegible] नेताम
168	मनील कुमार	B.A. I	चारामा				अनिल
~~169.~~	~~नीतू कुलाम~~	~~B.A. I~~					
169	मोहित साहू	BSc-I	चारामा				मोहित
170	फूलीलाल धृतलहरे	सहायक सामाजिक पे. संघ धार्मिक -	निवासपुर				PL
171	अनुप वर्मा	संवाददाता, छत्तीसगढ़	चारामा				Anuverm
172	कु० मोनिका देवांगन	अतिथि व्याख्याता	~~शास~~ मको० विद्यालय चारामा				
173	कु० चित्रलेखा कुल्हे	"	"				
174	कु० पल्लवी सेन	"	"				
175	श्रीमती दीपिका सोम	सहा.प्राध्यापक	शास. महाविद्यालय चारामा				
176	पूनम देवांगन	B.Com-II	"				

177	M. R. Khule	कुलचिव	Dhamtari		(signature)
178	सुरेन्द्र साधवानी	B.A.-II	शा. महा. चारामा		(signature)
179	सुधांशु पाण्डेय	B.A.-I	— " —		(signature)
180	अंगेश कुमार	D.E.O	ज.पं. चारामा		(signature)
181	डॉ सुभाष दत्त झा	प्राचार्य	एस डी आर कालेज बिलासपुर		(signature)
182	डॉ रमेन्द्रनाथ मिश्र	[illegible]	[illegible]	(रिसोर्स पर्सन)	(signature)
183	डॉ सन्त कुमार मिश्रा	इतिहास अध्येता	गोंदिया		(signature)
184	डॉ. आर. पी. शर्मा	शिक्षाविद	उज्जैन	(रिसोर्स पर्सन)	रा. शर्मा
185	वर्मा महेन्द्र कुमार मानिकपुरी	समाजसेवी	बेहरे		महेन्द्र कुमार मानिकपुरी
186	जीवन लाल यादव	समाजसेवी	फुलवारी पारा पाली कोरबा		जीवन लाल
187	शाहिस्ता खान	शोध छात्रा	रविशंकर वि.वि. रायपुर		शाहिस्ता खान
188	डॉ आकाश मोहन झा	व्याख्याता	शा जे. एन. पांडेय विद्यालय रायपुर		आकाश
189	अन्वया अवनीश झा	अध्येता	संस्कृति विभाग रायपुर		(signature)
190	शैलेन्द्र सिंह ठाकुर	इतिहास लेखक	सुंदर केरा राजिम		(signature) Thakur

Principal
Govt. College Charama
Distt. U B. Kanker (C.G.)

एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार
"छत्तीसगढ़ में गांधीवादी आंदोलन
एवं अनके विचारो का प्रभाव"
दिनांक - 27.02.2020
आयोजक - इतिहास विभाग
शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा
जिला - उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

कॉलेज में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

चारामा, 27 फरवरी। छग में गांधीवादी आंदोलन एवं उनके विचारों का प्रभाव विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय जैसाकर्रा चारामा में आयोजित हुआ। संगोष्ठी का आयोजन दो अलग अलग सत्र में किया।

पहले तकनीकी सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष दत्त झा पूर्व प्राचार्य शा.बिलासा स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय बिलासपुर छ.ग., अध्यक्षता डॉ. चैनराम पटेल प्राचार्य शास.इन्दरू केवट कन्या महा.कांकेर, विशेष अतिथि सनत कुमार मिश्र गोंदिया महाराष्ट्र,शरद ठाकुर सहायक प्रध्यापक भानुप्रतापपुर, श्यामानंद डेहरिया सहा.प्रध्यापक भानुप्रतापपुर, संस्था की प्राचार्य डॉ सरिता द्वारा महात्मा गांधी और मां सरस्वती की छायाचित्र की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ. सरिता उईके के द्वारा महाविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जिसके मुख्य अतिथि डॉ. झा ने महात्मा गांधी के आजादी के समय छ.ग. में आगमन से लेकर उनके आंदोलनों की कहानियों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

दूसरे चरण में मुख्य अतिथि रमेन्द्र मिश्र अध्यक्ष छग इतिहास,संस्कृति एवं पुरातत्व रायपुर, आर.पी शर्मा शिक्षाविद् उज्जैन के द्वारा महात्मा गांधी के आंदोलनों से जुड़ी कई बातों को जो पुस्तकों में ढूंढने से भी नहीं मिल पाती है, उनको छात्रों के बीच रखा। अतिथियों ने कहा कि आज के युवाओं को अपने ऐतिहासिक धरोहर एवं महापुरुषों के छग में किये गये योगदान को पढ़ने और जानने व संरक्षित करने की आवश्यकता है।

संगोष्ठी के दौरान छात्रों एवं प्रोफेसरों द्वारा भी कई सवाल पूछे गये। जिनका जवाब विद्वानों ने दिया। अतिथियों को संस्था की ओर से स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ,साथ ही अतिथियों की ओर से गांधी जी से जुड़ी कई अच्छी पुस्तकों की जानकारी छात्रों को दी गई।

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आज

चारामा, 26 फरवरी। शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय चारामा में 27 फरवरी को 10 बजे से इतिहास विभाग द्वारा 'छग में गांधीवादी आंदोलन एवं उनके विचारों का प्रभाव' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसे प्रथम तकनीकी सत्र एवं उद्घाटन सुबह 10.30 से 01.30 बजे तक किया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि प्रो.रमेश्वर मिश्र वरिष्ठ इतिहासकार पटना बिहार, अध्यक्षता आचार्य रमेन्द्रनाथ मिश्र अध्यक्ष छग इतिहास, संस्कृति एवं पूर्व कार्यकारिणी अध्यक्ष छ.ग. साहित्य अकादमी छ.ग. शासन, विशिष्ट अतिथि सुरेश ठाकुर छ.ग. में गांधी युगीन वरिष्ठ शिक्षाविद रायपुर छ.ग., एवं द्वितीय तकनीकी सत्र एवं समापन दोपहर 2 से 4.30 बजे तक मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष दत्त झा पूर्व प्राचार्य शास.बिलासा स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय बिलासपुर छ.ग., अध्यक्ष डॉ. चेतनराम पटेल प्राचार्य शास.इन्दरू केवट कन्या महा.कांकेर, विशिष्ट अतिथि डॉ.विजय बघेल अध्यक्ष अध्ययन मंडल (इतिहास विभाग) बस्तर विश्वविद्यालय जगदलपुर रहेंगे।

आयोजन समिति के सदस्य

1. श्री एम.एल.नेताम- 9406108531
2. डॉ.के.के.मरकाम 9669927750
3. डॉ.आयशा कुरैशी
4. श्रीमति दीपिका सोम
5. श्री रविन्द्र सिंह चन्द्रवंशी 9407727106
6. श्री कुलेश्वर प्रसाद साहू 9425257931
7. श्री संजय मिश्रा
8. श्री अभिषेक मिश्र
9. श्री हेमप्रसाद पटेल 9754341675
10. श्री कमलनारायण ठाकुर

पंजीयन प्रपत्र

1. नाम :.....
2. जन्मतिथि :.....
3. पद :.....
4. विषय :.....
5. संस्था का नाम :.....
:.....
6. पता :.....
:.....
7. डिमाण्ड ड्राफ्ट नं. :.....
8. बैंक का नाम :.....
9. दिनांक व राशि :.....
10. शोध पत्र का शीर्षक :.....
11. मोबाईल नंबर :.....
12. ई-मेल आई डी :.....

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा, जिला-उ.ब.कांकेर(छ.ग.)

राष्ट्रीय सेमीनार दिनांक 09/02/2019

उच्च शिक्षा छ.ग.शासन द्वारा प्रायोजित

(छत्तीसगढ़ के वनांचल संस्कृति में औषधि ज्ञान सरंक्षण एवं संवर्धन)

प्रति,

.....

.....

.....

-आयोजक-

इतिहास विभाग

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय

चारामा, जिला-उ.ब.कांकेर(छ.ग.)

एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार

(छत्तीसगढ़ के वनांचल संस्कृति में औषधि ज्ञान सरंक्षण एवं संवर्धन)

राष्ट्रीय सेमीनार दिनांक 09/02/2019

डॉ.सरिता उइके

प्र.प्राचार्य एवं संरक्षक

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय,चारामा

जिला-उ.ब.कांकेर(छ.ग.)

मो.नं. 8319150722

संयोजक-

डॉ.सरिता उइके

विभाग -(इतिहास)

मो.नं. 8319150722

आयोजन सचिव

श्री एम.एल.नेताम

विभाग -(राजनीति शास्त्र)

मो.नं. 8319150722

सह-सचिव

डॉ.के.के.मरकाम

विभाग -(भुगोल)

मो.नं. 9669927750

सह-सचिव

श्री रवीन्द्र सिंह चन्द्रवंशी

विभाग -(अर्थशास्त्र)

मो.नं. 9407727106

मान्यवर,

बस्तर अंचल का प्रवेश द्वार शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय चारामा जिला-उ.ब.कांकेर में इतिहास विभाग द्वारा दिनांक - 09/02/2019 को उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से *छत्तीसगढ़ वनांचल संस्कृति में औषधि ज्ञान संरक्षण एवं संवर्धन* विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयो जन किया जा रहा है, जिसमें आप सादर आमंत्रित है, हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस शोध संगोष्ठी में उप-स्थित होकर अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करेगें।

महाविद्यालय का संक्षिप्त इतिहास

कंक ऋषि की तपो भूमि गिरि श्रृंखलाओं से आवेष्टित महानदी एवं नैनी नदी के तट पर स्थित शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय चारामा की स्थापना 16 अगस्त 1989 ई. को हुई। स्थापना का उद्देश्य अर्ध शहरी ग्रामीण तथा आदिवासी एवं पिछड़े क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा का लाभ मिल सके, कला संकाय से प्रांरभ महा विद्यालय में वर्तमान में वाणिज्य एवं विज्ञान विषयों की अध्यापन व्यवस्था है एवं एम.ए. राजनीति शास्त्र की कक्षायें संचालित है ।

महाविद्यालय का नाम देश की स्वतंत्रता के लिये मर मिटने वाले बस्तर के महान सपूत, परलकोटके जमींदार, जिन्होनें अंग्रेजो के दांत खट्टे किये थे - शहीद गैंदसिंह के नाम पर आधारित है।

महाविद्यालय में वर्तमान शिक्षा सत्र में 924 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, यहाँ के विद्यार्थियों द्वारा खेलकूद सांस्कृतिक कार्यक्रम, एन.सी.सी., एन.एस.एस. एवं विश्व विद्यालयीन परीक्षा में उत्कृष्ठ स्थान बनाकर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया गया है।

राजधानी रायपुर से दक्षिण दिशा में यह नगर 120 कि.मी. की दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रं.30 पर स्थित है। चारामा से 17 कि.मी. की दूरी पर *चन्देली* ग्राम की पहाड़ियों में दस हजार वर्ष पूर्व की "Rock Paintings" देखने को प्राप्त हुई है। इस पेटिंग्स में एलियन और यू.एफ.ओ. (उडनतश्तरी) जैसी आकृति है। छ.ग.पुरातत्व विभाग द्वारा इस पेटिंग्स पर शोधके लिये अमेरिका स्पेश रिचर्स सेन्टर नासा को आमंत्रित किया गया था। वह शोधार्थियों के लिये शोध का विषय एवं पर्यटकों के लिये आकर्षण का केन्द्र है, इसके अलावा 15 कि.मी.की दूरी पर सियादेही जलप्रपात, 45 कि.मी.की दूरी पर गंगरेल डेम एवं दुधावा डेम पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षितकरते हैं।

छत्तीसगढ़ के वनांचल संस्कृति में औषधि ज्ञान संरक्षण एवं संवर्धन परिचयात्मक

हिन्दूस्तान के ह्रदय में अवस्थित म.प्र. का दक्षिण पूर्वांचल छत्तीसगढ़ राज्य प्राकृतिक सौंदर्य एवं वन संपदा के अकूत भंडारो का स्वामित्व वाला राज्य है। राज्य के कुल क्षेत्र का 44.8भाग वनों से आच्छादित है। राज्य में अन्य क्षेत्रों की तुलना में बस्तर, दंतेवाड़ा, कांकेर, राजनांदगांव, कवर्धा, महासमुंद, जशपुर, सरगुजा, कोरबा, कोरिया, रायगढ़ जिलों में वनों का विस्तार अधिक है। ये क्षेत्र विभिन्न प्रकार के कीमती जड़ी बूटियों से भरे पड़े है।

इन वनाँचलों में बसने वाली सर्वाधिक जनजातीयसंस्कृति है इसके अलावा अन्य प्रजातियाँ भी निवास करती है, प्रकृति के निकट रहने के कारण इन प्रजातियों को वन औषधि के बार में अच्छा ज्ञान है। वे सदियों से इन्हीं जड़ीबुटियों के द्वारा कई तरह की कठिन से कठिन बीमारियों काइलाज करते आये है, जिस पर विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है। वे प्रकृति प्रदत्त पेड़ पौधों की जड़, छाल, फुल,पत्ते, कंदमूल,बीज, इसके अलावा विभिन्न प्रकार के पशु पक्षियों के माँस, खून, हडडी, गोबर व मूत्र से विभिन्न प्रकारकी बीमारियों का उपचार करते है जिसे जानना आवश्यक है, उनके ज्ञान का संरक्षण एवं संवर्धन होने से सार्वजनिक लोगों को लाभ प्राप्त होगा साथ ही वनाँचल श्रेत्र में रहने वाली प्रजातियों को रोजगार के अवसर प्राप्त होगें जो राज्य के विकास में सहायक होगा। इसी उद्देश्य के साथ राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन प्रस्तावित है।

शोध संगोष्ठी का उपशीर्षक-

1. छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में पाई जाने वाली जड़ी बूटियों तथा उनका विभिन्न बीमारियों के उपचार में प्रयोग।
2. छत्तीसगढ़ में जड़ी बूटियों का संरक्षण एवं संवर्धन।
3. छत्तीसगढ़ में विभिन्न आयुर्वेदिक औषधालय एवं उनकी उपलब्धियाँ
4. छत्तीसगढ़ में विभिन्न आयुर्वेदाचार्य वैद्य एवं उनका उपचार तथा उपचार केन्द्र।
5. वन औषधियों के विकास के लिये शासन के द्वारा किये जाने प्रयास ।
6. वनौषधियाँ के क्षेत्र में अब तक किये गये कार्य एवं विकास की संभावनायें।
7. छत्तीसगढ़ में वन औषधि आधारित उद्योग की संभावनाएँ।

शोध पत्रों का प्रेषण -

इतिहास विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में शोध पत्र प्रेषित करने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव-

1. शोध पत्र सारांश (Abstract)अधिकतम 02 पृष्ठों में तथा पूर्ण शोध पत्र अधिकतम 10 पृष्ठों में हो ।
2. शोध पत्र तथा शोध सारांश (हार्ड कापी) ए-4 आकार के पेपर में होना चाहिये। इसकी सॉफ़्ट कापी महाविद्यालय के ई-मेल आईडी seminar2019charama@gmail.com पर ई-मेल किया जाना आवश्यक है।
3. संगोष्ठी हेतु शोध पत्र का माध्यम हिन्दी/अंग्रेजी होगा, हिन्दी के लिये Kurti Dev 010 (Font Size -14) तथा अंग्रेजी के लिये Times New Roman(Font Size-12) का प्रयोग करेगें।
4. शोध पत्र सारांश भेजने की अंतिम तिथि 02 फरवरी 2019 तथा पूर्ण प्रेषित करने की अंतिम तिथि 05 फरवरी 2019 है।

पंजीयन शुल्क-

प्राध्यापकों हेतु 700/- अतिथि व्याख्याताओं एवं शोध छात्रों के लिये- 300/- अन्य विद्यार्थी के लिये 200/-

तकनीकी सत्र

तिथि उदघाटन सत्र	10.30 से 11.30 बजे तक
प्रथम तकनीकी सत्र	11.30 से 01.30 बजे तक
भोजन अवकाश	01.30 से 02.00 बजे तक
द्वितीय तकनीकी सत्र	02.00 से 04.30 बजे तक
प्रमाण पत्रों का वितरण	04.30 बजे से

नोट- प्रतिभागी यात्रा व्यय अपनी संस्था से प्राप्त करने का कष्ट करें, आयोजक संस्था से यात्रा भत्ता प्राप्त नहीं होगा।

संगोष्ठी
संस्कृति में
एवं संवर्धन
09.02.2019
विभाग
चारामा

संगोष्ठी

गैंदसिंह महाविद्यालय में संगोष्ठी, विशेषज्ञों ने रखी राय

जड़ी-बूटियों का संरक्षण व संवर्धन जरूरी : डॉ. उइके

चारामा। नईदुनिया न्यूज

नगर के शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन इतिहास विभाग द्वारा किया गया। यह राष्ट्रीय संगोष्ठी छत्तीसगढ़ की वनांचल संस्कृति में औषधि ज्ञान संरक्षण व संवर्धन के विषय पर हुई। संगोष्ठी के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सरिता उइके ने राज्य के औषधियों के बारे में बताया कि छत्तीसगढ़ वन प्रधान राज्य है जिसके 44.8 प्रतिशत भाग पर वनों की सघनता है।

संगोष्ठी में उपस्थित अतिथिगण व प्रोफेसर।

यहां पर विभिन्न प्रकार की कीमती जड़ी बूटियां पाई जाती है। यहां पर बसने वाली वनांचल संस्कृति के लोग परम्परागत रूप से इन्हीं वन औषधियों व विभिन्न जीव-जन्तुओं से विभिन्न प्रकार के रोगों का इलाज परम्परागत रूप से करते आ रहे हैं परन्तु उनका यह ज्ञान धीरे-धीरे विलुप्त होता जा रहा है। वनों से जड़ी बूटियां भी विलुप्त होती जा रही है, जिसका संरक्षण व संवर्धन होना आवश्यक है। इससे पर्यावरण की सुरक्षा व इस पर आधारित उद्योगों की संभावनाएं बढ़ सकती है। लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है।

डॉ. महादेव प्रसाद पांडे, आचार्य डॉ. रमेन्द्रनाथ मिश्र ने बताया कि प्रदेश की महानदी, इन्द्रवती नदी, शिवनाथ नदी तथा जितनी भी नदी घाटी संस्कृति है सब जगह जन-जातीय आदिम प्रजातियां निवास करती है। उनके औषधि ज्ञान उपचार संबंधी जानकारियों को संरक्षति व संवर्धन करने के लिए विशेष अभियान व जन चेतना की आवश्यकता है। प्रो. शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि भारत में अमूल्य ज्ञान का खजाना है। प्राचीनकालीन युग में यहां पर आयुर्वेदिक उपचार का पता चलता तथा इससे संबंधित विभिन्न ग्रंथ लिखे गए, परन्तु विदेशी आक्रमण के कारण वे सब नष्ट कर दिए गए। डॉ. विजय बघेल, डॉ. चेतनराम पटेल, डॉ. किरण तारम ने विभिन्न बीमारियों के उपचार के संबंध में अपने विचार रखे। वैध रामप्रसाद निषाद ने पेड़ पौधों के संरक्षण, शासन द्वारा किए जाने वाले प्रयास व उपचार के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर श्रीराम प्रताप निषाद, डॉ. किरण तारम, डॉ. विजय बघेल, डॉ. पुष्पलता मिश्रा, प्राध्यापकगण प्रो. एमएल नेताम, डॉ. केके मरकाम, प्रो.रवीन्द्र सिंह चन्द्रवंशी, प्रो. हेमप्रसाद पटेल, प्रो कमलनारायण ठाकुर, प्रो. कुलेश्वर साहू, प्रो. अभिषेक मिश्र, अनूप यादव, हितेन्द्र बोरकर, लक्ष्मी छाया भोजवानी, रूपेन्द्र ठाकुर, सीमा यादव, हरिराम साहू, मधु कावड़े सहित महाविद्यालय के स्टाफ, छात्र-छात्राएं तथा विभिन्न महाविद्यालयों से आए हुए प्राध्यापक गण, कर्मचारी अन्य अतिथि उपस्थित थे।

प्रादेशिकी
रायपुर शुक्रवार, 28 फरवरी 2020

शहीद महाविद्यालय में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित

चारामा, 27 फरवरी (देशबन्धु)। छग में गांधीवादी आंदोलन एवं उनके विचारो का प्रभाव विषय को लेकर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय जैसाकर्रा चारामा मे आयोजित हुआ। संगोष्ठी का आयोजन दो अलग अलग सत्र मे किया पहले तकनीकि सत्र मे मुख्य अतिथि डॉ सुभास दत् झा पूर्व प्राचार्य शा.बिलासा स्नातकोत्तर कन्या महाविघालय बिलासपुर छ.ग.,अध्यक्षता डॉ.चेनतराम पटेल प्राचार्य शास.इन्दरू केवट कन्या महा.कांकेर ,विशेष अतिथि सनत कुमार मिश्र गोंदिया महाराष्ट्र,शरद ठाकुर सहायक प्रधायपक भानुप्रतापपुर,श्यामानंद डेहरिया सहा.प्रध्यापक भानुप्रतापपुर, संस्था की प्राचार्य डॉ सरिता के द्वारा महात्मा गॉधी और मॉ सरस्वती की छायाचित्र की पुजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था आज की युवा पीढी को छग में आजादी के समय गॉधी जी के द्वारा किये गये आंदोलन और छग के प्रति उनके क्या विचार थे,से छात्रो को अवगत कराना था। कार्यक्रम के शुभारंभ मे डॉ सरिता उईके के द्वारा महाविघालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जिसके मुख्य अतिथि डॉ सुभास दत् झा पूर्व प्राचार्य शा.बिलासा स्नातकोत्तर कन्या महाविघालय बिलासपुर छ.ग. के द्वारा महात्मा गॉधी के आजादी के समय छ.ग. मे आगमन से लेकर उनके आंदोलनो की कहानियो की विस्तार पूर्वक जानकारी दी दिसम्बर 1920 मे महात्मा गॉधी का छग मे प्रथम प्रवास जल सत्याग्रह के संबंध मे हुआ और दुसरी बार उनका प्रवास 1933 मे तिलक कोष एवं स्वराज कोष के लिए हुआ था। धमतरी जिले के कंडेल ग्राम मे किसानो का सत्याग्रह छोटेलाल श्रीवास्तव के नेतृत्व मे चल रहा था। शासन के तुगलकी फरमान के विरूद्ध जल सत्याग्रह किया था इस सत्याग्रह से अभिभूत होकर गांधी जी 1920 मे किसानो के आंदोलन मे शामिल होने आये थे। 1942 मे अंग्रेजो भारत छोडो आंदोलन का आहन पर पुरा छग अंग्रेजी हुकुमत के खिलाफ एक हो गया। गांधी जी के विचारो ने देश की आजादी मे छग के योगदान को बल दिया। गांधी जी ने छग के रायपुर शहर से छुआछुत से आजादी का बिगुल भी फूंका था। ऐसी कई रोचक जानकारियॉ उन्होने गांधी जी के संबंध मे दी। दुसरे चरण मे मुख्य अतिथि रमेन्द्र मिश्र अध्यक्षछग इतिहास,संस्कृति एंव पुरातत्व रायपुर ,आर.पी शर्मा शिक्षा विद् उज्जैन के द्वारा महात्मा गॉधी के आंदोलनो से जुडी कई बातो को जो पुस्तको मे ढुढने से भी नही मिल पाती है, गॉधी जी की उन बारिकी बातो को छात्रो के बीच रखा। इसके अलावा अतिथियो ने केदार नाथ ठाकुर के द्वारा बस्तर की आभूषणो पर लिखी पुस्तक बस्तर भूषण ,हीरालाल काव्योपाध्याय जी के प्रथम छग व्याकरण ,1875 मे छग म.प्र का रायपुर मे निर्मित पहला म्युजियम मंहत घासीदास संग्रहालय जैसे कई कहानियो ,रचनाओ को छात्रो बीच रखा। आजादी के समय गॉधी जी का प्रभाव छग के युवाओ पर अधिक पडा था, आज के युवाओ को अपने ऐतिहासिक धरोहर एंव महा पुरूषो के छग मे किये गये योगदान को पढने और जानने की आवश्यक्ता व उसे संरक्षित करने की आवश्यक्ता है। वही संगोष्ठी के दौरान छात्रो एंव प्रोफेसरो के द्वारा भी कई सवाल पुछे गये जिनका जवाब विद्वानो ने दिया। कार्यक्रम की समाप्ति पर आये हुए सभी अतिथियो को संस्था की ओर से स्मृति चिन्ह, प्रसस्ति पत्र प्रदान किया गया ,साथ ही अतिथियो की ओर से गांधी जी से जुडी कई अच्छी पुस्तको की जानकारी छात्रो को दी गई,जिससे वे गांधी जी को और अच्छे से जान सकेगे। कार्यक्रम के दौरान संस्था के प्रो.एम एल नेताम, के के मरकाम, खीन्द्र सिंह चन्द्रवंशी, कुलेश्वर प्रसाद साहु, हेम प्रसाद पटेल, कमलनारायण ठाकुर, दीपिका सोम, संजय मिश्रा, अनूप यादव, जीवराखन हितेन्द्र बोरकर, मधुराम कावडे, धर्मेन्द्र सिन्हा, सुधीर साहु एंव महाविघालय के सभी कर्मचारियो का सहयोग आयोजन को सफल बनाने मे रहा।

Govt. Shahid Gendsingh College,Charama
Distt- Uttar Bastar Kanker (CG)
(Affiliated to Shaheed Mahendra Karma University,Jagdalpur. Chhattisgarh)

Webinar

Organised by Department of Economics

International Peace Day

Moderator

R. S. Chandrawanshi

Asstt. Professor (Economics)

Patron

Dr. K. K. Markam

Principal

Keynote Speaker

Dr. Surender Kulshrestha

Asstt. Professor (Economics)

Vardhman Mahaveer Open University,Kota (Rajasthan)

21 September,2021 | **Time : From 06.00 PM**

To Join Click the below link

Google Meet Link : https://meet.google.com/neb-yxbv-syo

Website : www.govtcollegecharama.in

Email ID : gccharama1989@gmail.com

Mobile No. 9407727106,9340000753

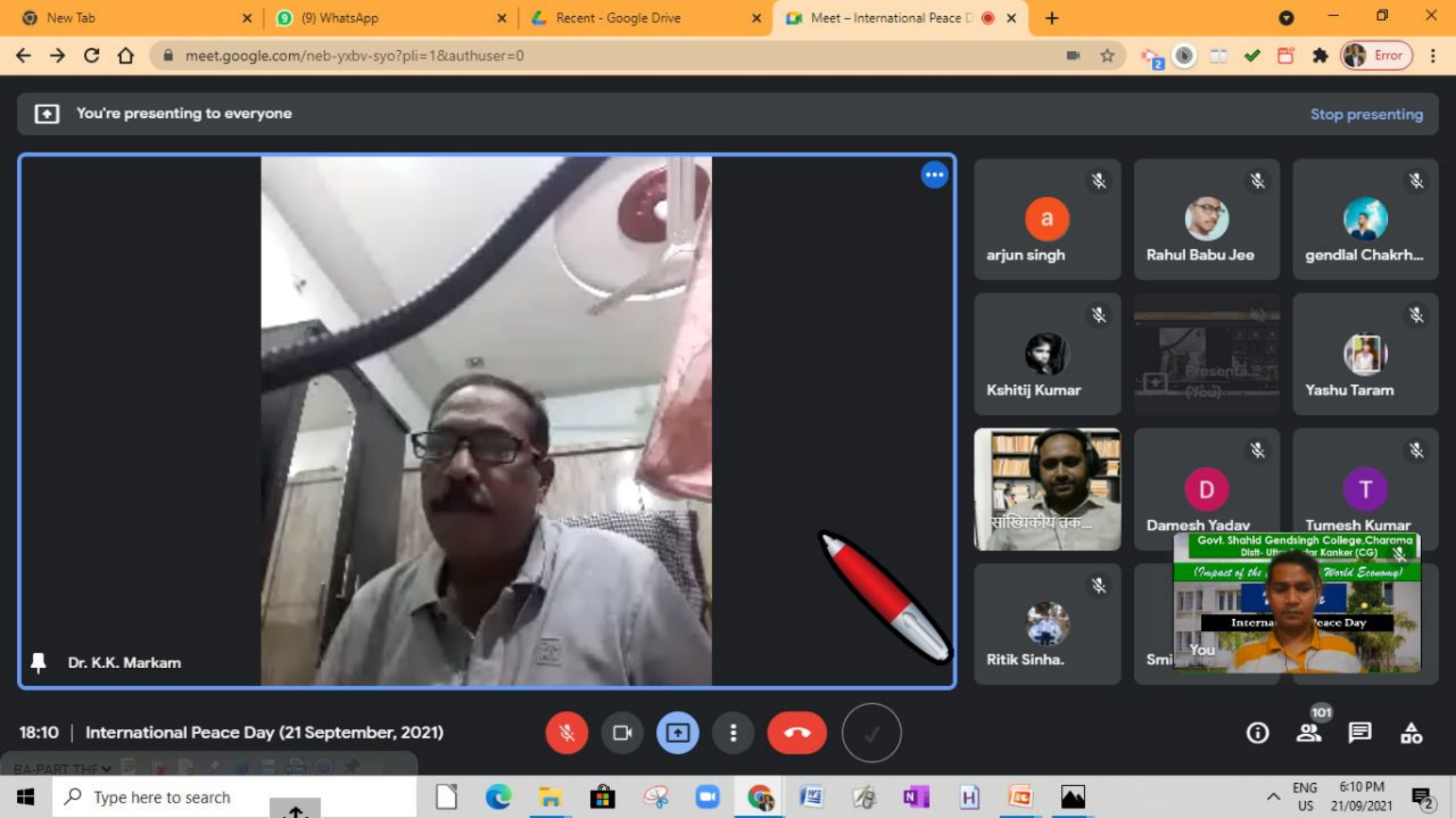

New Tab
(9) WhatsApp
Recent - Google Drive
Meet – International Peace D
meet.google.com/neb-yxbv-syo?pli=1&authuser=0
Error
You're presenting to everyone
Stop presenting
Dr. K.K. Markam
arjun singh
Rahul Babu Jee
gendlal Chakrh...
Kshitij Kumar
Yashu Taram
साख्यिकीय तक...
Damesh Yadav
Tumesh Kumar
Ritik Sinha.
Govt. Shahid Gendsingh College,Charama
You
18:10
International Peace Day (21 September, 2021)
101
Type here to search
ENG
US
6:10 PM
21/09/2021

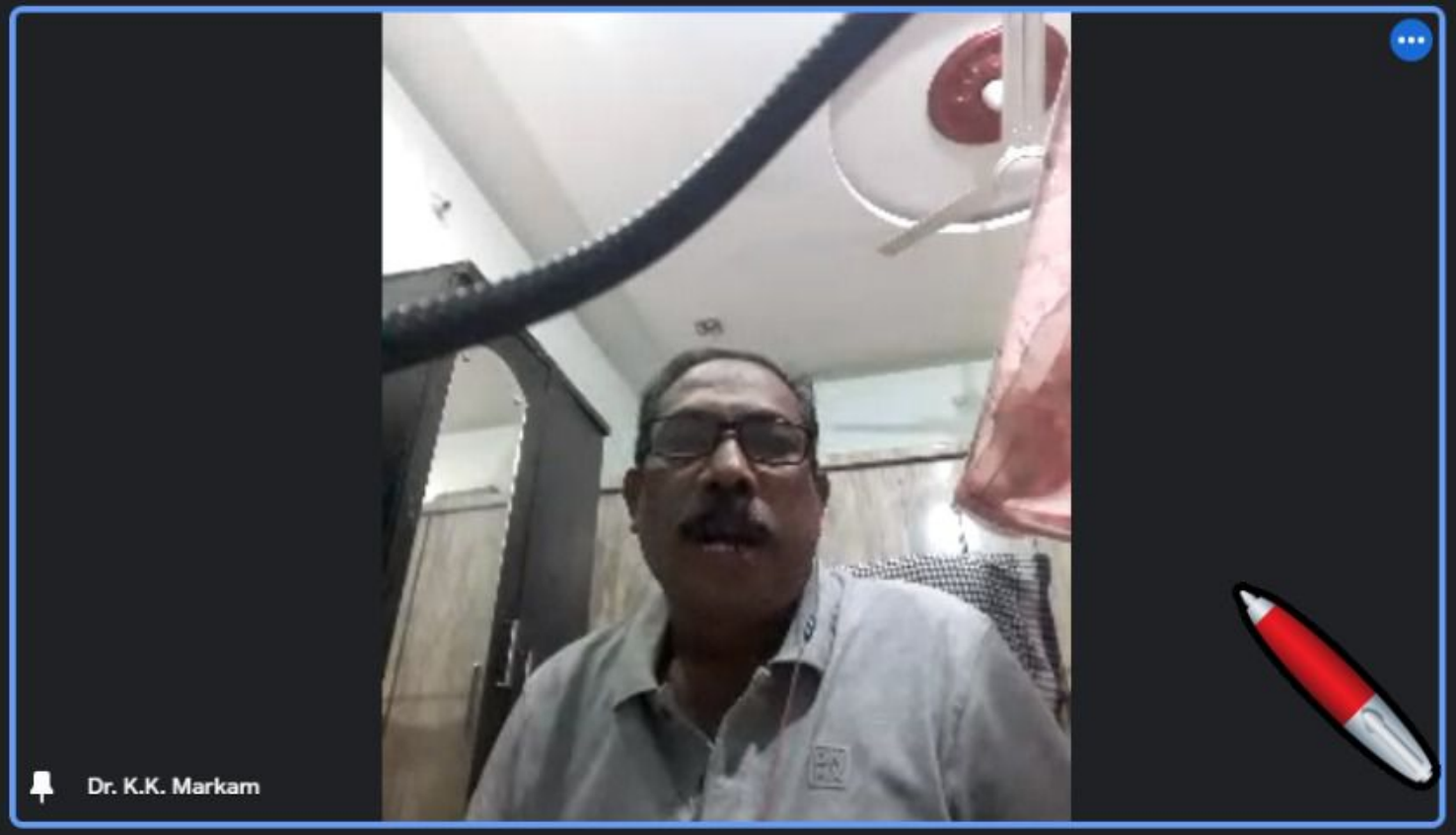

New Tab
(9) WhatsApp
Recent - Google Drive
Meet – International Peace D
meet.google.com/neb-yxbv-syo?pli=1&authuser=0
Error
You're presenting to everyone
Stop presenting
arjun singh
Rahul Babu Jee
gendlal Chakrh...
Kshitij Kumar
Yashu Taram
सांख्यिकीय तक...
Damesh Yadav
Tumesh Kumar
Govt. Shahid Gendsingh College,Charama
Ritik Sinha.
You
Dr. K.K. Markam
18:10
International Peace Day (21 September, 2021)
101
Type here to search
ENG
US
6:10 PM
21/09/2021

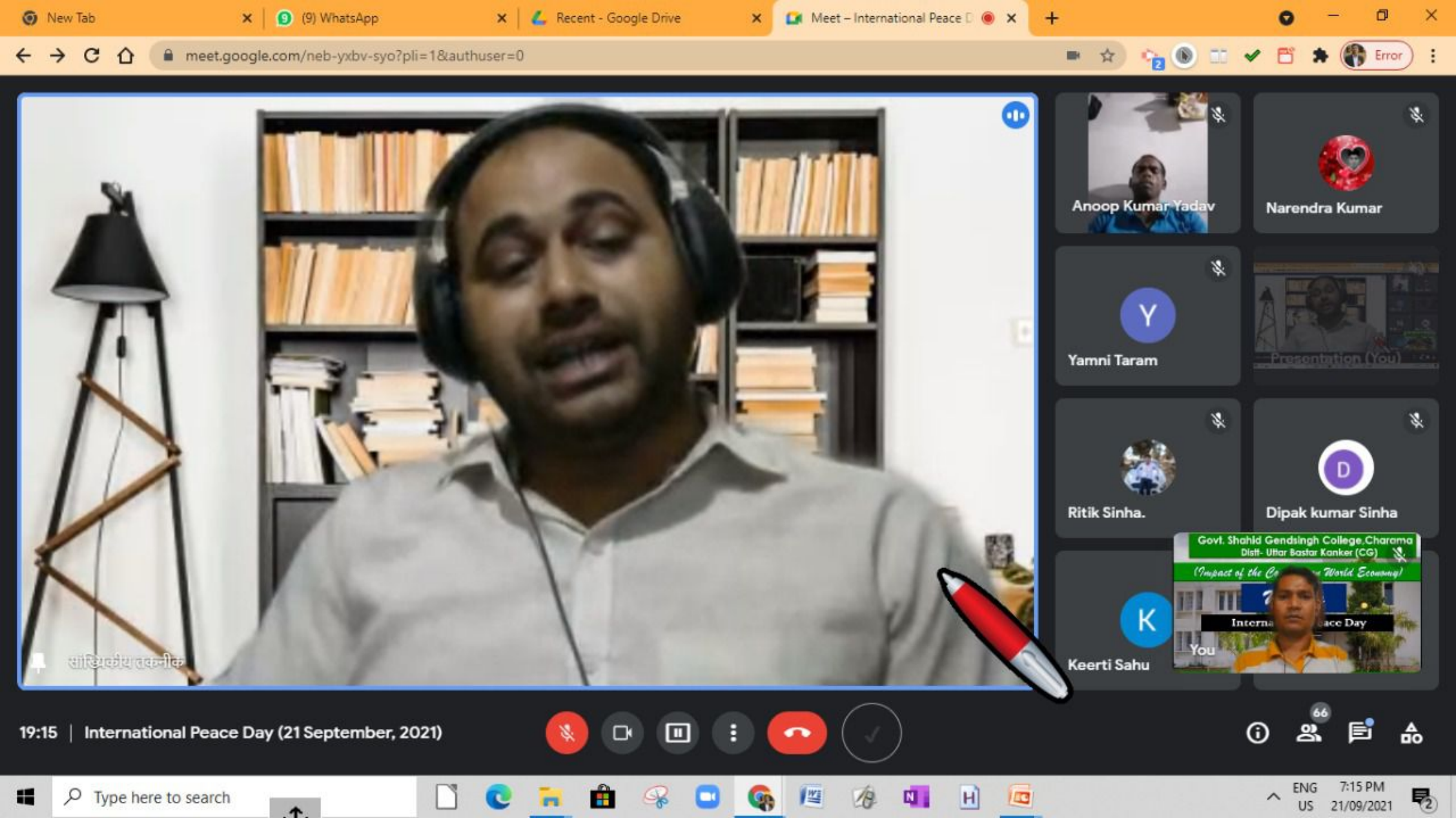
New Tab
(9) WhatsApp
Recent - Google Drive
Meet – International Peace
meet.google.com/neb-yxbv-syo?pli=1&authuser=0
Error
Anoop Kumar Yadav
Narendra Kumar
Yamni Taram
Presentation (You)
Ritik Sinha.
Dipak kumar Sinha
Govt. Shahid Gendsingh College,Charama
Distt- Uttar Bastar Kanker (CG)
You
Keerti Sahu
19:15 | International Peace Day (21 September, 2021)
66
Type here to search
ENG
US
7:15 PM
21/09/2021

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस पर वेबिनार

चारामा (नईदुनिया न्यूज)। अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा. इम्पैक्ट आफ द कनफ्लिक्ट आन वर्ल्ड इकानोमी विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1981 में सर्वप्रथम अतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया। 2001 से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपसी संघर्ष को समाप्त कर, आपसी प्रेम, सौहाद्र एवं भाईचारे को प्रोत्साहित करने के लिए 21 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है।

अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी जो इस वेबिनार के माडरेटर थे। उन्होंने सर्वप्रथम शांति की परिभाषा, शांति के प्रकार, आदिम युग से आधुनिक युग तक आपसी संघर्षो में हुए परिवर्तन, 1960 से भारत सरकार के रक्षा बजट की प्रवृत्तियों और वर्तमान समय में आर्थिक विकास व संपोषित विकास के लिए शांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वेबिनार के मुख्य वक्ता डा. सुरेंदर कुमार कुलश्रेष्ठ, वधर्मान महावीर ओपन विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान थे। अपने व्याख्यान में डा. कुलश्रेष्ठ ने शांति और अहिंसा स्थापना के क्षेत्र में भगवान महावीर, गौतम बुद्ध और महात्मा गाँधी द्वारा किये गये प्रयासों की व्याख्या की।

उन्होंने पुनर्जागरण काल के पूर्व और बाद में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव जीवन के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों का शांति और अहिंसा में क्या महत्व रहा उसके बारे में और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न संघर्षो के कारण किस प्रकार से अर्थव्यवस्था को नुकसान हुआ है, उसकी विस्तृत व्याख्या की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत आरंभ से ही शांति का अग्रदूत रहा है। रामायण काल हो या महाभारत का शांतिपर्व, अशोक का कलिंग युद्ध, चंद्रगुप्त, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, गुरूनानक, गांधी एवं जवाहरलाल नेहरू का पंचशील सिद्धांत हो या टैगोर का शांति निकेतन, ये सभी शांति के पुजारी रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय आंतकवाद, नशीले पदार्थो का व्यापार, लघु शस्त्रों का प्रसार, जैविक एवं रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध शांति स्थापना की दिशा में एक ठोस कदम होगा।

डा. मरकाम ने नोबेल पुरस्कार विजेता मदर टेरेसा के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि, शांति की शुरूआत मुस्कान से होती है। इस वेबिनार में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के सुधीर कुमार साहू, धर्मेंद्र सिन्हा, अनूप कुमार यादव, शासकीय नवीन महाविद्यालय पाली के प्रो. टीकाराम कश्यप, शासकीय महाविद्यालय अंतागढ़ के प्रो. दीपक देवांगन, शासकीय महाविद्यालय निवास, जिला. मंडला मध्यप्रदेश के प्रो. अजय कछवाहा सम्मिलित हुए।

हरिभूमि

रायपुर - कांकेर भूमि

23 Sep 2021

इम्पैक्ट ऑफ द कनफ्लिक्ट ऑन वर्ल्ड इकॉनामी विषय पर वेबिनार

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में हुआ बेबिनार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चारामा

शासकीय गेंदसिंह महाविधालय चारामा में 21 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग द्वारा-इम्पैक्ट ऑफ द कनफ्लिक्ट ऑन वर्ल्ड इकॉनोमी विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

आयोजित बेबीनार के मुख्य वक्ता वर्धमान महावीर ओपन विश्वविद्यालय कोटा,राजस्थान के डॉ. सुरेंदर कुमार कुलश्रेष्ठ ने शांति और अहिंसा स्थापना के क्षेत्र में भगवान महावीर, गौतम बुद्ध और महात्मा गाँधी द्वारा किये गये प्रयासों की व्याख्या की। उन्होने पुनर्जागरण काल के पूर्व और बाद में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव जीवन के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों का शांति और अहिंसा में क्या महत्व रहा उसके बारे में और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न संघर्षों के कारण किस प्रकार से

अर्थव्यवस्था को नुकसान हुआ है, उसकी विस्तृत व्याख्या की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केके मरकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत आरंभ से ही शांति का अग्रदूत रहा है। रामायण काल हो या महाभारत का शांतिपर्व, अशोक का कलिंग युद्ध, चंद्रगुप्त, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, गुरूनानक, गाँधी एवं जवाहरलाल नेहरू का पंचशील सिद्धांत हो या टैगोर का शांति निकेतन, ये सभी शांति के पुजारी रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय आंतकवाद, नशीले पदार्थों का व्यापार, लुघु शस्त्रों का प्रसार, जैविक एवं रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध शांति स्थापना की दिशा में एक ठोस कदम होगा। डॉ. मरकाम ने नोबेल पुरस्कार विजेता मदर टेरेसा के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि, शांति की शुरूआत मुस्कान से होती है। अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी जो इस वेबिनार के मॉडरेटर थे, उन्होने सर्वप्रथम शांति की परिभाषा, शांति के प्रकार, आदिम युग से आधुनिक युग तक आपसी संघर्षों में हुए परिवर्तन, 1960 से भारत सरकार के रक्षा बजट की प्रवृत्तियों और वर्तमान समय में आर्थिक विकास एवं संपोषित विकास हेतु शांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

वेबिनार में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के सुधीर कुमार साहू, धर्मेंद्र सिन्हा, अनूप कुमार यादव, शासकीय नवीन महाविद्यालय पाली के प्रो. टीकाराम कश्यप, शासकीय महाविद्यालय अंतागढ़ के प्रो. दीपक देवांगन, शासकीय महाविद्यालय निवास, जिला-मंडला मध्यप्रदेश के प्रो. अजय कछवाहा सम्मिलित हुए थे।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर वेबिनार का आयोजन

चारामा। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय, चारामा के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा-इम्पैक्ट ऑफ द कनफ्लिक्ट ऑन वर्ल्ड इकॉनोमी विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1981 में सर्वप्रथम अतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया। 2001 से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपसी संघर्ष को समाप्त कर, आपसी प्रेम, सौहाद्र एवं भाईचारे को प्रोत्साहित करने हेतु 21 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2021 का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम -रिकवरिंग बेटर फॉर एन इक्विटेबल एंड सस्टेनेबल वर्ल्ड है। यह थीम बताती है कि करोना महामारी से पूरी दुनिया धीरे-धीरे उबर रही है, ऐसे समय में समान और संपोषित विश्व को साथ लेकर मानव जीवन को और बेहतर करने के लिए प्रयास की आवश्यकता है। अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी जो इस वेबिनार के मॉडरेटर थे, उन्होने सर्वप्रथम शांति की परिभाषा, शांति के प्रकार, आदिम युग से आधुनिक युग तक आपसी संधर्षों में हुए परिवर्तन, 1960 से भारत सरकार के रक्षा बजट की प्रवृत्तियों और वर्तमान समय में आर्थिक विकास एवं संपोषित विकास हेतु शांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉ. सुरेंदर कुमार कुलश्रेष्ठ, वर्धमान महावीर ओपन विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान थे। अपने व्याख्यान में डॉ. कुलश्रेष्ठ ने शांति और अहिंसा स्थापना के क्षेत्र में भगवान महावीर, गौतम बुद्ध और महात्मा गाँधी द्वारा किये गये प्रयासों की व्याख्या की।

कार्यक्रम : अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मना

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर वेबिनार का हुआ आयोजन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

चारामा. शासकीय गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग द्वारा इम्पैक्ट ऑफ द कनफ्लिक्ट ऑन वर्ल्ड इकॉनोमी विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान बताया गया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 1981 में सर्वप्रथम अतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया। 2001 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपसी संघर्ष को समाप्त कर, आपसी प्रेम, सौहार्द्र एवं भाईचारे को प्रोत्साहित करने 21 सितम्बर को अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस

के रूप में मनाया जाता है।

वर्ष 2021 का अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रिकवरिंग बेटर फॉर एन इक्विटेबल एंड सस्टेनेबल वर्ल्ड है। यह थीम बताती है कि कोरोना महामारी से पूरी दुनिया धीरे-धीरे उबर रही है। ऐसे समय में समान और संपोषित विश्व को साथ लेकर मानव जीवन को ओर बेहतर करने के लिए प्रयास की आवश्यकता है। अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी जो इस वेबिनार के मॉडरेटर थे। उन्होंने सर्वप्रथम शांति की परिभाषा, शांति के प्रकार, आदिम युग से आधुनिक युग तक आपसी संघर्षों में हुए परिवर्तन, 1960 से भारत सरकार के रक्षा बजट की प्रवृत्तियों और वर्तमान समय में आर्थिक विकास एवं संपोषित विकास के लिए शांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वेबिनार के मुख्य वक्ता डा. सुरेंदर कुमार कुलश्रेष्ठए वर्धमान महावीर ओपन विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान थे। अपने व्याख्यान में डॉ. कुलश्रेष्ठ ने शांति और अहिंसा स्थापना के क्षेत्र में भगवान महावीर, गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी द्वारा किए गए प्रयासों की व्याख्या की। उन्होंने पुनर्जागरण काल के पूर्व और बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानव जीवन के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों का शांति और अहिंसा में क्या महत्व रहा उसके बारे में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न संघर्षों के कारण किस प्रकार से अर्थव्यवस्था को नुकसान हुआ है। उसकी विस्तृत व्याख्या की।

जैविक-रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध शांति स्थापना की दिशा में ठोस कदम

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केके मरकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत आरंभ से ही शांति का अग्रदूत रहा है। रामायण काल हो या महाभारत का शांतिपर्व, अशोक का कलिंग युद्ध, चंद्रगुप्त, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, गुरुनानक, गांधी एवं जवाहरलाल नेहरू का पंचशील सिद्धांत हो या टैगोर का शांति निकेतन ये सभी शांति के पुजारी रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद, नशीले पदार्थों का व्यापार, लघु शस्त्रों का प्रसार, जैविक एवं रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध शांति स्थापना की दिशा में एक ठोस कदम होगा। डॉ. मरकाम ने नोबेल पुरस्कार विजेता मदर टेरेसा के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि शांति की शुरुआत मुस्कान से होती है। इस वेबिनार में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के सुधीर कुमार साहू, धर्मेंद्र सिन्हा, अनूप कुमार यादव, शासकीय नवीन महाविद्यालय पाली के प्रो. टीकाराम कश्यप, शासकीय महाविद्यालय अंतागढ़ के प्रो. दीपक देवांगन, जिला मंडला मध्य प्रदेश के प्रो. अजय कछवाहा थे।